भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र : ३ से ४

(जुन, २०१९ से क्रमशः अमलीकृत)

हिन्दी विषय के अनुस्नातक कक्षा के छात्रों के लिए जुन, २०१९ से क्रमशः अमलीकृत एम.ए. सत्र १ से ४ तक का CBCS के अनुरूप पाठ्यक्रम

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति		अनिवार्य मुख्य गौण–१ गौण–२								वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	प्राचीन हिन्दी काव्य	०१	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	१	०१	१
२	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	०२	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	१	०२	१
३	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	भाषा विज्ञान (सैद्धांतिक)	०३	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	१	०३	१
४	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	भारतीय साहित्य – १	०४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	१	०४	१
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र														
५	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	हिन्दी महिला लेखन	०४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	१	०४	२
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र														
६	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक – १	०४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	१	०४	२
७	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	विशिष्ट विधा का अध्ययन (हिन्दी उपन्यास–१)	०५	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	१	०५	१
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र														
८	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन – १	०५	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	१	०५	२
९	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	०६	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	२	०६	१
१०	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	०७	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	२	०७	१
११	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हिन्दी भाषा (व्यावहारिक)	०८	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	२	०८	१
१२	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	भारतीय साहित्य – २	०९	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	२	०९	१
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र														
१३	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हिन्दी का दलित साहित्य	०९	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	२	०९	२
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र														
१४	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक–२)	०९	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	२	०९	२
१५	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	विशिष्ट विधा का अध्ययन (हिन्दी उपन्यास–२)	१०	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	२	१०	१

वैकल्पिक प्रश्नपत्र																		
१६	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हश्य-श्रव्य माध्यम लेखन – २	१०	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	२	१०	२
१७	अनुस्नातक	तृतीय	मुख्य	आधुनिक हिन्दी काव्य – १	११	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	३	११	१
१८	अनुस्नातक	तृतीय	मुख्य	आधुनिक हिन्दी गद्य – १	१२	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	३	१२	१
१९	अनुस्नातक	तृतीय	मुख्य	भारतीय काव्यशास्त्र	१३	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	३	१३	१
२०	अनुस्नातक	तृतीय	मुख्य	प्रयोजनमूलक हिन्दी – १	१४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	३	१४	१
वैकल्पिक प्रश्नपत्र																		
२१	अनुस्नातक	तृतीय	मुख्य	प्रवासी हिन्दी साहित्य	१४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	३	१४	२
वैकल्पिक प्रश्नपत्र																		
२२	अनुस्नातक	तृतीय	मुख्य	तुलनात्मक साहित्य (व्यावहारिक-१)	१४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	३	१४	२
२३	अनुस्नातक	तृतीय	मुख्य	राजभाषा प्रशिक्षण – १	१५	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	३	१५	१
वैकल्पिक प्रश्नपत्र																		
२४	अनुस्नातक	तृतीय	मुख्य	लघुशोध प्रबंध (सैद्धांतिक)	१५	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	३	१५	२
२५	अनुस्नातक	चतुर्थ	मुख्य	आधुनिक हिन्दी काव्य – २	१६	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	४	१६	१
२६	अनुस्नातक	चतुर्थ	मुख्य	आधुनिक हिन्दी गद्य – २	१७	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	४	१७	१
२७	अनुस्नातक	चतुर्थ	मुख्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	१८	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	४	१८	१
२८	अनुस्नातक	चतुर्थ	मुख्य	प्रयोजनमूलक हिन्दी – २	१९	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	४	१९	१
वैकल्पिक प्रश्नपत्र																		
२९	अनुस्नातक	चतुर्थ	मुख्य	हिन्दी का आदिवासी साहित्य	१९	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	४	१९	२
वैकल्पिक प्रश्नपत्र																		
३०	अनुस्नातक	चतुर्थ	मुख्य	तुलनात्मक साहित्य (व्यावहारिक-२)	१९	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	४	१९	२
३१	अनुस्नातक	चतुर्थ	मुख्य	राजभाषा प्रशिक्षण – २	२०	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	४	२०	१
वैकल्पिक प्रश्नपत्र																		
३२	अनुस्नातक	चतुर्थ	मुख्य	लघुशोध प्रबंध (व्यावहारिक)	२०	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३		०२	४	२०	२

Format of Question Paper

Q. No.	**Type of Question**	**Marks**
1	Essay type question : One out of Two : Unit 1	14
2	Essay type question : One out of Two : Unit 2	14
3	Essay type question : One out of Two : Unit 3	14
4	Essay type question : One out of Two : Unit 4	14
5	Short note : Two out of Four : All Units	14

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – आकाशवाणी की भाषा – टेलीविजन की लोक-प्रियता – केबल टेलीविजन – किसान उत्पादन विज्ञापनों की हिन्दी – फोटो पत्रकारिता – टेलीविजन में रीपोतार्ज – टेलीकोन्फ्रेन्स की हिन्दी भाषा – टेलीविजन समाचारों की भाषा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – कृष्ण कुमार रत्तू, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २
(२) जन संचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व – सं. त्रिभुवन राय, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २
(३) संचार क्रांति और हिन्दी पत्रकारिता – अशोक कुमार शर्मा, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २
(४) आधुनिक विज्ञान – प्रेमचंद पातंजलि, प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली – १
(५) जनसंचार : विविध आयाम – व्रजमोहन गुप्त, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली–५१

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य – १							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	३	११	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०		१००

पाठ्यक्रम उद्देश :

- पाठ्यक्रम से संबधी छात्रगण महाभारत एवं रामायण संबंधी पौराणिक कथानकों को जानें
- छात्रगण महाभारत के दबे कुचले पात्रों को विस्तार से जाने।
- छात्रगण भारतीय विभिन्न दर्शनों को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण जयशकर प्रसाद के काव्यगत विशेषताओं से परिचित होगे ।
- छात्रगण निराला की दृष्टि में 'तुलसीदास' के जीवनवृत को जानें
- छात्रगण नरेश मेहता की काव्य-कला को विस्तार से समझें

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'जयद्रथ वध' का कथानक	इनमे से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमे से सात प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		– खण्ड-काव्य के लक्षणो के आधार पर 'जयद्रथ वध' का मूल्यांकन	–भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'जयद्रथ वध' का मूल्यांकन				
		– 'जयद्रथ वध' के पात्रों का चरित्रांकन	– 'जयद्रथ वध' का काव्यरूप				
		– 'जयद्रथ वध' मे पुराण एव कल्पना का समन्वय	– 'जयद्रथ वध' की मिथकीयता				
		– 'जयद्रथ वध' में मैथिलीशरण गुप्त की वैचारिकता	– 'जयद्रथ वध' की परिवेश				
	ईकाई-२	– जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'कामायनी' का महाकाव्य की कथानक				
		– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कामायनी' का मूल्यांकन	– महाकाव्य के लक्षणो के आधार पर 'कामायनी' का मूल्यांकन				
		– 'कामायनी' का महाकाव्य के पात्रों का चरित्रांकन	– 'कामायनी' का महाकाव्य में वर्णित सामाजिक समस्याएँ				
		– 'कामायनी' का महाकाव्य की मिथकीयता	– 'कामायनी' का महाकाव्य में व्यक्त आधुनिकता				
		– छायावादी श्रेष्ठ काव्य के रूप में 'कामायनी' का मूल्यांकन	– 'कामायनी' का महाकाव्य में व्यक्त विभिन्न दर्शन				
	ईकाई-३	– निराला : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'तुलसीदास' काव्य का कथानक				
		– प्रबंध काव्य के रूप में 'तुलसीदास' का मूल्यांकन	– 'तुलसीदास' का काव्यरूप				
		– 'तुलसीदास' काव्य मे निरूपित भारतीय एव इस्लामी सस्कृति	– भावपक्ष एव कलापक्षी की दृष्टि से 'तुलसीदास' का मूल्याकन				
		– 'तुलसीदास' काव्य मे वर्णित प्रकृति-चित्रण	– 'तुलसीदास' काव्य मे व्यक्त विभिन्न दर्शन				
		– स्वाधीनता की भावना और तुलसीदास	– 'तुलसीदास' काव्य के चरित्रो का चरित्राकन				
	ईकाई-४	– नरेश मेहता : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'संशय की एक रात' काव्य का कथानक				
		– भावपक्ष एव कलापक्ष की दृष्टि से 'संशय की एक रात' का मूल्यांकन	– काव्यनाटक के रूप 'संशय की एक रात' का मूल्यांकन				
		– 'संशय की एक रात' काव्य मे व्यक्त विभिन्न समस्याएँ	– 'संशय की एक रात' काव्य के चरित्रो चरित्रांकन				
		– 'संशय की एक रात' काव्य मे व्यक्त आधुनिक भाव-बोध	– 'संशय की एक रात' काव्य का कथानक की मिथकीयता				
		– 'संशय की एक रात' काव्य का संदेश	– 'संशय की एक रात' काव्य का परिवेश				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प मे स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आतरिक कसौटी	आतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अक निर्धारित है	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'जयद्रथ वध' शीर्षक की सार्थकता – 'जयद्रथ वध' में प्रकृति चित्रण – 'जयद्रथ वध' की भाषा शैली – 'जयद्रथ वध' का उद्देश्य – 'कामायनी' का महाकाव्य का शीर्षक – 'कामायनी' का महाकाव्य का उद्देश्य – 'कामायनी' का महाकाव्य की अलंकार योजना – 'उर्वशी' का महाकाव्य की प्रतिकात्मकता – 'तुलसीदास' काव्य का शीर्षक – 'तुलसीदास' काव्य का उद्देश्य – 'तुलसीदास' काव्य की छन्द योजना – 'तुलसीदास' काव्य की बिम्ब योजना – 'संशय की एक रात' काव्य की अलंकार योजना – 'संशय की एक रात' काव्य की छन्द योजना – 'संशय की एक रात' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'संशय की एक रात' काव्य की प्रतीकात्मकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : जयद्रथ वध
संपादक : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान :

पाठ्य पुस्तक : कामायनी
संपादक : जयशंकर प्रसाद
प्राप्ति स्थान :

पाठ्य पुस्तक : तुलसीदास
संपादक : निराला
प्राप्ति स्थान :

पाठ्य पुस्तक : संशय की एक रात
संपादक : नरेश मेहता
प्राप्ति स्थान :

संदर्भ ग्रंथ :

(१) काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व – नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र. विनोद पुस्तक मंदिर,आग्रा
(२) मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य – डॉ. कमलाकांत पाठक, प्र. रणजीन प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली
(३) कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. नगेन्द्र, प्र. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
(४) कामायनी का पुनर्मूल्यांकन, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
(५) कामायनी सौंदर्य – डॉ. फतहसिंह, प्र. पंचशील प्रकाशन, जयपुर
(६) निराला और उनका तुलसीदास – डॉ. रामकुमार सिंह, प्र. पंचशील प्रकाशन, जयपुर
(७) निराला काव्य : वस्तु और कला : डॉ. भगवान देव यादव, प्र. पंचशील प्रकाशन, जयपुर
(८) निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा, प्र. हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
(९) निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा, प्र. हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
(१९) नरेश मेहता के मिथकिय खण्डकाव्य – डॉ. वर्षा शाह – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) निराला और दिनकर की काव्य चेतना – डॉ. रजनी शिखरे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) निराला के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. नारायण राऊत – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) निराला साहित्य में युगीन समस्याएँ – डॉ. सरोज मार्कण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) कामायनी का काव्यशास्त्रीय विश्लेषण – डॉ. स्नेहलता गुप्ता – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) नरेश मेहता के काव्यों का सामाजिक चिन्तन – डॉ. टी. शुभानन्द – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) आधुनिक हिंदी काव्य में केन्द्रिय कवि निराला – डॉ. सी. जे. प्रसन्न कुमारी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) निराला के कथा–साहित्य में समाजदर्शन और चरित्र सृष्टि – डॉ. वंदना दीक्षित – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) कामायनी का भाषीय औदात्य – डॉ. सु=चि मिश्रा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) नरेश मेहता के काव्य का अनुशीलन – डॉ. कल्याण वैष्णव – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) कवि नरेश मेहता संवेदना और अभिव्यक्ति –डॉ. मात सुधार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२१) महाप्राण निराला – पुनर्मूल्यांकन – डॉ. प्रदीप मिश्र – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२२) निराला के काव्य में राष्ट्रीय चेतना – डॉ. स्नेहलता शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२३) छायावाद और निराला – वीणा हाठे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२४) नरेश मेहता के कथा साहित्य में मध्यवर्ग – डॉ. जयकरण – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२५) निराला काव्य में प्रकृति – रेणुबाला – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२६) कामायनी – जयशंकर प्रसाद – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२७) निराला के गद्य साहित्य में प्रगतिशील चेतना – डॉ. नरेन्द्र शुक्ला – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) निराला के कथा साहित्य में समाजदर्शन और चरित्र सृष्टि – डॉ. वन्दना दीक्षित – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) निराला के कथासाहित्य में समाजदर्शन और चरित्रसृष्टि – डॉ. सुरूचि मिश्रा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) नरेश मेहता के मिथकीय खण्डकाव्य – डॉ. वर्षा शाह – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) निराला और दिनकर की काव्य चेतना – डॉ. रजनी शिखरे – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) निराला के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. नारायण राऊत – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३३) कवि नरेश मेहता संवेदना और अभिव्यक्ति – डॉ. भरत सुथार – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३४) नरेश मेहता के काव्य का अनुशीलन – डॉ. कल्याण वैष्णव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३५) गोस्वामी तुलसीदास – डॉ. मायाप्रकाश पाण्डेय – अमन प्रकाशन, कानपुर

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी गद्य – १							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	३	१२	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण हिन्दी महिला उपन्यासकारों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण हिन्दी में लिखित आदिवासी जीवन केन्द्रित उपन्यासों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की उपन्यास कला को जानें ।
- छात्रगण आत्मकथात्मक शैली का विस्तार से परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण हिन्दी कहानी का विकासक्रम जानें ।
- छात्रगण हिन्दी कहानी का उद्‌भव एवं विकास जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	– मैत्रेयी पुष्पा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास का कथासार	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		– उपन्यास के आधार पर 'अल्मा कबूतरी' का मूल्यांकन	– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन				
		– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ	– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास में निरूपित नारी चेतना				
		– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास में व्यक्त आदिवासी जन–चेतना	– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास का परिवेश				
		– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास में व्यक्त नारी समस्याएँ	– 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास की आँचलिकता				
	ईकाई–२	– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का कथानक				
		– उपन्यासकला के आधार पर 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का मूल्यांकन	– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के चरित्रों का चरित्रांकन				
		– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में व्यक्त सांस्कृतिक चेतना	– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में नारी–चेतना				
		– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में व्यक्त ऐतिहासिकता	– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में संवाद–योजना				
		– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में चित्रित परिवेश	– 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में प्रेम–निरूपण				
	ईकाई–३	– 'एम.डोट.कोम.' कहानी का कथासार	– कहानी कला के आधार पर 'एम.डोट.कोम.' का मूल्यांकन				
		– 'पार्टीशन' कहानी का कथासार	– कहानी कला के आधार पर 'पार्टीशन' का मूल्यांकन				
		– 'शवयात्रा' कहानी में दलित चेतना	– 'फाईल' कहानी का कथानक				
		– 'तहबील' कहानी का कथानक	– कहानी कला के आधार पर 'तहबील' का मूल्यांकन				
		– 'छावनी में बेघर' कहानी का कथासार	– 'बिगडैल बच्चें' कहानी की कथावस्तु				
		– 'टेपचू' कहानी का मूल्यांकन					
	ईकाई–४	– हिन्दी निबंध : स्वरूप एवं विकास	– 'स्वर्ग में विचार–सभा का अधिवेशन' निबंध का कथासार				
		– 'जबान' निबंधकला की द्दष्टि से मूल्यांकन	– 'मजदूरी और प्रेम' निबंध में व्यक्त वैचारिकता				
		– 'मेघदूत' निबंध का कथासार	– 'मानस का धर्मशास्त्र' निबंध में व्यक्त आचार्य शुक्ल की आलोचना द्दष्टि				
		– 'नाखून क्यों बढते है' निबंध का मूल्यांकन	– 'अपनी ही मौत पर' निबंध की दार्शनिकता				
		– 'भारतीय कला द्दष्टि' निबंध में व्यक्त विद्यानिवास मिश्र की कलाद्दष्टि	– 'निंदा रस' निबंध का भावार्थ				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास की संवाद-योजना – 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास का शीर्षक – 'शवयात्रा' कहानी का उद्देश्य – 'साहित्य की राष्ट्रीय चेतना' निबंध का भावार्थ – 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास का शीर्षक – 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास का उद्देश्य – 'फाइल' कहानी का शीर्षक – 'कविता का सम्मान' निबंध का भावार्थ – 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास की भाषा-शैली – 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास की भाषा-शैली – 'बिगडैल बच्चे' कहानी का उद्देश्य – 'मैं धोबी हूँ' निबंध का भावार्थ – 'अल्मा कबूतरी' उपन्यास का उद्देश्य – 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में राज-व्यवस्था – 'टेपचू' कहानी की भाषा-शैली – 'मेघदूत' निबंध के शीर्षक की सार्थकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा । ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा । ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : अल्मा कबूतरी संपादक : मैत्रेयी पुष्पा प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**	**पाठ्य पुस्तक : बाणभट्ट की आत्मकथा संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई ध्लिली**	**पाठ्य पुस्तक : आज की कहानी संपादक : डॉ. जयमोहन, एम. एस. प्राप्ति स्थान : जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद**	**पाठ्य पुस्तक : निबंध मंजूषा संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद**

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी में आदिवासी जीवन केन्द्रित उपन्यासों का समीक्षात्मक अध्ययन, डॅ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद
(२) प्रेमचंद और उनक। उपन्यास, उषा ॠषि, भारतीय ग्रंग निकेतन, नयी दिल्ली
(३) प्रेमचंद के उपन्यासों में समकालीनता, रजनीकांत जैन, प्र.लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(४) आ.हजारीप्रसाद द्विवेदी और उनका साहित्य, राजेन्द्र दीक्षित, प्र.लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
(५) हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों का नवमूल्यांकन, उदयवीर शर्मा, प्र.भारतीय गंथ निकेतन, नयी दिल्ली
(६) हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों का सांस्कृतिक अध्ययन, शिवशंकर त्रिवेदी, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(७) हिन्दी कहानी, डॉ.इन्द्रनाथ मदान, प्र.राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
(८) हिन्दी कहानी के सौ वर्ष : सं.वेदप्रकाश अमिताभ, प्र.मधुवन प्रकाशन, मथुरा
(९) कहानी: स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, प्र.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
(१०) प्रेमचंद : एक विवेचन, डॉ.इन्द्रनाथ मदान, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, इलाहाबाद
(११) हिन्दी ललित निबंध: परपरा एवं प्रयोग, डॉ.वेदवती राठी, पाठक प्रकाशन, अलीगढ़
(१२) हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ, डॉ.हरिमोहन, प्र.तक्षशिला प्रकाशन, न्यू दिल्ली
(१३) हिन्दी निबंध के सौ वर्ष, डॉ.मृत्युजय उपाध्याय, प्र.गिरनार प्रकाशन, महेसाणा
(१४) मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में नारी – डॉ. संतोष पवार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) हजारीप्रसाद द्विवेदी का रचनालोक एवं अभिप्राय – डॉ. सुधा दीक्षित – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों में संस्कृति और इतिहास – डॉ. अरूण कुलकर्णी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) छायावादी साहित्य का स्वरूप एवं विकास – डॉ. हरिदास शेव्डें – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) मैत्रेयी पुष्पा के साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन –डॉ. व्यंकट पाटील – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१९) मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों का कथ्य और शिल्प – डॉ. जोगेन्द्र सिंह – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२०) मैत्रेयी पुष्पा के कथात्मक आयाम – डॉ. दया दीक्षित – अमन प्रकाशन, कानपुर

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भारतीय काव्यशास्त्र							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	३	१३	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०		१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्येता भारतीय काव्यशास्त्र के विकास-क्रम को विस्तार से जानें
- भारतीय काव्यशास्त्र के अध्ययनरत छात्र भारतीय काव्य-स्वरूपों को विस्तार से समझे ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा छात्रो में रचना-वैशिष्ट्य और मूल्यबोध-ज्ञान की दक्षता प्राप्त होगी ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से छात्रों में साहित्यिक समझ विकसित होगी ।
- भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन करने से छात्र साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख करें
- काव्यशास्त्र के अध्ययन से अध्येता मे काव्य की परख एव मूल्यांकन करने की आलोचना दृष्टि विकसित होगी ।
- भारतीय काव्यशास्त्र की विकास प्रक्रिया के अध्ययन से छात्र भारतीय मनुष्य की बैद्धिक चिन्तन प्रक्रिया को विस्तार से जाने
- भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन करने से अध्येता भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक परिस्थितियों को जाने

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	भारतीय काव्यशास्त्र का उद्‌भव एवं विकास : काव्य-स्वरूप, काव्य की परिभाषा, काव्य के तत्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्न × अक ०५ × १४ = ७०	इनमे से सात प्रश्न पूछे जाएँगें प्रश्न × अक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य की आत्मा, काव्य के प्रकार				
		रस सिद्धात : रस-विचार की परम्परा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अग, रसों का विवेचन, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा				
	ईकाई-२	अलकार सिद्धात : 'अलकार' का अर्थ, परिभाषा, लक्षण एव स्वरूप, अलकारो का अन्य काव्यतत्वो से सबध अलकारो का वर्गीकरण काव्य मे अलकारो का महत्व				
		रीति सिद्धांत : 'रीति' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप रीति और अन्य आचार्य, रीति के भेद, रीति और गुण, रीति और वृत्ति, रीति और शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ				
		वक्रोक्ति सिद्धांत : 'वक्रोक्ति' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद				
	ईकाई-३	ध्वनि सिद्धांत ट 'ध्वनि' अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूपल ध्वनि सिद्धांतकी स्थापनाएँ, ध्वनि के प्रमुख भेद, गुणी भूत व्यंग्य, चित्रकाव्य				
		औचित्य सिद्धांत : औचित्य अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, औचित्य सिद्धांत की स्थापनाएँ, औचित्य के भेद				
		काव्य-गुण, काव्य-दोष, शब्द-शक्तियाँ				
	ईकाई-४	हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास, रीतिकाल तथा कवि शिक्षा परम्परा				
		हिन्दी आलोचना एव उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ				
		हिन्दी समीक्षा एवं समीक्षक, हिन्दी के कवि-समीक्षक				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प मे स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित है	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. सक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रस के स्थायि भाव – काव्य की आत्मा – वृत्ति-विचार – काव्य का समाधि-गुण – अलंकार और दोष – रूपक के दस भेद – काव्य-समय – रसा-भास		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) भारतीय काव्यशास्त्र, कृष्णदेव शर्मा, प्र.विनोद पुस्तक मंदिर, आग्रा
(२) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत, डॉ.कृष्णदेव झारी, प्र.चौखबा पुस्तक सिरीज, वाराणसी
(३) भारतीय काव्यशास्त्र का परंपरा, डॉ.नगेन्द्र
(४) भारतीय काव्य चिंतन, राजेश्वर दयाल सक्सेना, प्र.नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
(५) भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन, विश्वंभरनाथ उपाध्याय, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली-२
(६) भारतीय काव्यशास्त्र: नवीन संभावनाएँ, चंद्रभान रावत, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
(७) हिन्दी रीति साहित्य, डॉ.भगीरथ मिश्र, प्र.राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली-२
(८) हिन्दी आलोचना का विकास, नंदकिशोर नवल, प्र.राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली-२
(९) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी समीक्षा सिद्वांत, डॉ.बह्मदत्त मिश्र, प्र.लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१०) भारतीय एवं पाश्चात्य समालोचना नव आकलन, डॉ.गोपीवल्लभ नेमा, प्र.भारतीय ग्रंग निकेतन, दिल्ली
(११) काव्यशास्त्र : विविध आयाम -सं. डॉ. मधु खराटे , विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. पी. एस. वाघमारे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) रीति सिद्धांत और शैली विज्ञान - डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ. शकुन्तला पांचाल, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. ज्ञानराज गायकवाड, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) साहित्य विचार विमर्श (भारतीय एवं पाश्चात्य) - डॉ. रमाकान्त आपरे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) सुलभ काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य - डॉ. सुरेश तापडे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) हिन्दी भाषा का साहित्यशास्त्र - डॉ. शोभा देशपांडे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) काव्यशास्त्र - डॉ. कंचन माला बाहेती, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) काव्यशास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य - डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२१) साहित्य सिद्धांत और अवधारणाएँ - डॉ. अरूणप्रकाश मिश्र, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२२) काव्यशास्त्र तथा समाकलनात्मक सिद्धांत - पी. के. हास, विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२३) भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. ज्ञानराज गायकवाड, अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) भारतीय काव्य सिद्धांत - डॉ. ज्ञानराम काशीनाथ गायकवाड, अमन प्रकाशन, कानपुर
(२५) काव्यशास्त्र : विविध आयाम - सं. डॉ. मधु खराटे, अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. यतीन्द्र तिवारी, अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. विजयपाल सिंह - जयभारती प्रकाश, इलाहाबाद
(२८) भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - सभापति मिश्र - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२९) साहित्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन - माधव सोनटक्के - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्रयोजनमूलक हिन्दी – १							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	३	१४	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्येता हिन्दी भाषा के इतिहास एवं स्वरूप को विस्तार जानें ।
- छात्रगण हिन्दी भाषा का व्यावहारिक एवं सर्वग्राही स्वरूप जानें ।
- छात्रगण हिन्दी के प्रयोजनमूलक रूप को पढ़कर हिन्दी को कामकाजी भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करें ।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप को पढ़कर छात्रगण हिन्दी को देश की प्रभावशाली संवादी भाषा बनाने का प्रयत्न करें ।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के के अध्येता रोजगार प्राप्त करें ।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्येता प्रयोजनमूलक हिन्दी के साथ साथ प्रांतीय भाषा का ज्ञान प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	– हिन्दी की ऐतिहासिक यात्रा	– हिन्दी के विभिन्न रूप-राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		– प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– प्रयोजनमूलक हिन्दी के उद्देश्य				
		– प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिता और कार्य-क्षेत्र	– प्रयोजनमूलक हिन्दी का वर्तमान				
		– प्रयोजनमूलक हिन्दी और उसके संकट					
	ईकाई-२	– कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख कार्य : पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रतिवेदन, विज्ञावन	– पारिभाषिक शब्दावली स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली के सिद्धांत				
		– ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द)	– हिन्दी कम्प्यूटिंग				
		– कम्प्यूटर परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय					
		– इंटरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता					
	ईकाई-३	– इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेट स्केप	– लिंक, ब्राउजिंग, ईमेल भेजना, प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग				
		– हिन्दी सोफ्टवेर, पैकेज	– देवनागरी और सर्च इंजन				
		– देवनागरी में मुद्रण	– हिन्दी फोन्ट				
	ईकाई-४	– पत्रकारिता : स्वरूप एवं विविध प्रकार	– हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास				
		– समाचार लेखन कला	– सम्पादन के आधारभूत तत्व				
		– व्यावहारिक प्रूफ संशोधन	– शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक सम्पादन				
		– प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता					
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – स्तम्भ आलेख – ज्ञापन – कार्यालय ज्ञापन – संपादकीय लेखन – साक्षात्कार – कार्यक्रम का वृतांत लेखन – आलेखन मसौदा – प्रेस विज्ञप्ति – पृष्ठ सज्जा – पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) प्रयोजनमूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(२) प्रमाणित आलेखन और टिप्पण, डॉ.विराज एम.ए, प्र.राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
(३) प्रशासनिक एवं कार्यलयी हिन्दी, डॉ.रामप्रकाश, डॉ.गुप्त, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली–५१
(४) प्रारूपण, टिप्पण,प्रूफ पठन, भोलानाथ तिवारी, कुलश्रेष्ठ, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(५) प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और व्यवहार, रघुनंदन प्रसाद शर्मा, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
(६) हिन्दी : विविध व्यवहारों की भाषा, सुवासकुमार, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(७) समाचार एवं प्रारूप लेखन, डॉ.रामप्रकाश, डॉ.गुप्त, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली–५१
(८) पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न, डॉ.कृष्णबिहारी मिश्र, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(९) समकालीन पत्रकारिता :मूल्यांकन और मूद्दे, राजकिशोर, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(१०) पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ, डॉ.पृथ्वीनाथ पांडेय
(११) हिन्दी की सर्वोदय पत्रकारिता – डॉ. मृदुला वर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) पत्रकारिता और साहित्य – डॉ. मु.ब. शहा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) हिन्दी पत्रकारिता में कल्याण – डॉ. विद्यारानी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) साहित्यिक पत्रकारिता और संपादित पृष्ठ लेखन – राजनाथ सिंह 'सूर्य' – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) हिंदी पत्रकारिता संसद में समाचार पत्र तक – डॉ. माया त्रिपाठी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. दक्षा निमावत – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) राष्ट्रभाषा हिन्दी : मेरे विचार – मो. करमचन्द गांधी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) पत्रकारिता विमर्श – डॉ. रमेश वर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) भाषा परिसंक्षेपण सिद्धांत और प्रयोग – आचार्य निशांतकेतु – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) मीडिया लेखन सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. चन्द्रप्रकाश मिश्र – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२१) पत्रकारिता की उत्कृष्टता – महेन्द्रसिंह ठाकुर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२२) प्रयोजनमूलक हिन्दी – नसीम ए. आज़ाद– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२३) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता : समग्र मूल्यांकन – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) कम्प्यूटर शिक्षण एवं आधुनिक तकनीक – श्याम सिंह – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२५) मीडिया, हिन्दी और पत्रकारिता – डॉ. आरिफ महात – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) मीडिया लेखन कला – निशांत सिंह – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास – मीनाक्षी सिंह – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) जनसंचार एवं पत्रकारिता – कुमारी शिप्रा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) भारत में प्रेस कानून – प्रो. मधुसूदन त्रिपाठी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप – गोविन्द प्रसाद – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) मीडिया लेखन और सम्पादन कला – डॉ. यू. सी. गुप्ता – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखन – डॉ. बापूराव देसाई – अमन प्रकाशन, कानपुर

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय,जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्रवासी हिन्दी साहित्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	३	१४	२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण प्रवासी साहित्य का स्वरूप एवं इतिहास को विस्तार से जानें
- छात्रगण प्रवासी साहित्य के माध्यम से भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति की तुलना करे ।
- छात्रगण प्रवासी साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की अस्मिता को विस्तार से समझें ।
- छात्रगण प्रवासी साहित्यकारों का परिचय प्राप्त करें
- छात्रगण प्रवासी साहित्य में व्यक्त विदेशी-मूल्य हीनता को जाने
- छात्रगण प्रवासी साहित्य में व्यक्त भाषा-स्वरूपों को जानें

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	अभिमन्यु अनत : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमे से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमे से सात प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		'लाल पसीना' उपन्यास की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'लाल पसीना' का मूल्यांकन				
		'लाल पसीना' उपन्यास के चरित्रो का चरित्रांकन				
		'लाल पसीना' उपन्यास का शिल्प				
	ईकाई-२	'लाल पसीना' उपन्यास मे व्यक्त भारतीय जीवन-मूल्य				
		'लाल पसीना' उपन्यास मे निरूपित भारतीय संस्कृति				
		'लाल पसीना' उपन्यास मे निरूपित पाश्चात्य सस्कृति				
		'लाल पसीना' उपन्यास मे निरूपित भारतीय-पाश्चात्य संस्कृति संघर्ष				
		'लाल पसीना' उपन्यास मे व्यक्त विभिन्न समस्याएँ				
	ईकाई-३	सुषम बेदी : व्यक्तित्व एव कृतित्व				
		'हवन' उपन्यास की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'हवन' का मूल्यांकन				
		'हवन' उपन्यास के पात्रो का चरित्राकन				
		'हवन' उपन्यास का शिल्प				
	ईकाई-४	'हवन' उपन्यास में निरूपित प्रवासी भारतियो का यथार्थ				
		'हवन' उपन्यास में निरूपित भारतीय जीवन मूल्य				
		'हवन' उपन्यास में निरूपित भारतीय संस्कृति				
		'हवन' उपन्यास में निरूपित पाश्चात्य संस्कृति				
		'हवन' उपन्यास में निरूपित भारतीय-पाश्चात्य संस्कृति सघर्ष				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय मे से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित है	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'लाल पसीना' उपन्यास का शीर्षक – 'लाल पसीना' उपन्यास की भाषा शैली – 'लाल पसीना' उपन्यास का उद्देश्य – 'लाल पसीना' उपन्यास की संवाद योजना – 'हवन' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'हवन' उपन्यास का उद्देश्य – 'हवन' उपन्यास की भाषा शैली – 'हवन' उपन्यास की संवाद योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : लाल पसीना
संपादक : अभिमन्यु अनत
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : हवन
संपादक : सुषम बेदी
प्राप्ति स्थान : हिन्दी पोकेट बुक्स डिपो

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी का प्रवासी साहित्य, डॉ.कमलकिशोर गोयनका, अमित प्रकाशन, कविनगर, गाजियाबाद, २०१०
(२) मॉरिशस का हिन्दी साहित्य, डॉ.लता, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, १९७५
(३) प्रवासी मज़दूरों की पीडा, अरविंद मोहन, राधाकृष्ण प्रकाशन, जगतपुरी ,दिल्ली
(४) मॉरिशस में हिन्दी साहितय का उद्‌भव एवं विकास, डॉ. शयामधर तिवारी, विनेसर पब्लिसिंग, दिल्ली, १९९७
(५) प्रवास में, उषाराजे सक्सेना, ज्ञानगंगा प्रकाशन, चावडी बाजार, दिल्ली
(६) ब्रिटेन में हिन्दी, उषाराजे सक्सेना, मेघाा बुक्स, शाहदरा, दिल्ली
(७) सागर पार भारतीय संस्कृति और हिन्दी, डॉ.कामता कमलेश, समीक्षा पब्लिसिंग,
(८) पाश्चात्य दर्शन की समस्या मूलक विवेचन, केदारनाथ रामनाथ, समीक्षा पब्लिसिंग
(९) प्रवासी भारतीयों की हिन्दी सेवा, डॉ.कैलाशकुमारी सहाय, अविराम प्रकाशन, विश्वसागर , दिल्ली
(१०) युरोपीय दर्शन, रामवतार शमा, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना
(११) निर्मल वर्मा की कहानियों में विदेशी परिवेश, डॉ.सरिता वशिष्ठ, निर्मल प्रकाशन, कबीरनगर, दिल्ली
(१२) एक मॉरिशसवासी की हिन्दी यात्रा, सोमदत्त बखोरी, यशपाल जैन सस्ता साहित्य, नई दिल्ली
(१३) मॉरिशस का कथा-साहित्य, सं. कामता कमलेश, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली
(१४) मॉरिशस में भारतीय प्रवासियों का इतिहास, सं. अभिमन्यु अनत, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
(१५) आत्मविज्ञान, अभिमन्यु अनत, प्रभात प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
(१६) मॉरिशस : हिन्दी महासागर में एक नवोदित राष्ट्र, पहलाद रामशरण, मॉरिशस मंजूषा, शाहदरा, दिल्ली
(१७) अभिमन्यु अनत व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व, डॉ.श्यामधर तिवारी, अभिनव प्रकाशन आगरा,
(१८) अभिमन्यु अनत की प्रतिनिधि रचनाएँ, डॉ.कमलकिशोर गोयनका, नटराज प्रकाशन, दिल्ली

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य (व्यावहारिक-१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	३	१४	२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप विस्तार से जानें ।
- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का इतिहास जानें ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों मे तुलनात्मक दृष्टि का विकास होगा ।
- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके भारतीय संस्कृति का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन करके राष्ट्रीय चेतना को विस्तार से जाने
- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से विभिन्नता में एकता की भावना को ओर भी सुदृड़ करे
- तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से नारी-विमर्श की अवधारणा को समझें

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	– उमाशंकर जोशी : व्यक्तित्व एव कृतित्व	– 'महाप्रस्थान' का कथानक	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		– उमाशंकर जोशी कृत 'महाप्रस्थान' के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रांकन	– 'महाप्रस्थान' का काव्य-स्वरूप				
		– 'महाप्रस्थान' में व्यक्त विचारधारा	– 'महाप्रस्थान' का मिथक-योजना				
	ईकाई-२	– नरेश मेहता : व्यक्तित्व एव कृतित्व	– 'महाप्रस्थान' काव्य-नाटक का कथानक				
		– नरेश मेहता कृत 'महाप्रस्थान' के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रांकन	– 'महाप्रस्थान' का काव्य-स्वरूप				
		– 'महाप्रस्थान' काव्य-नाटक के प्रमुख-चरित्र	– 'महाप्रस्थान' में व्यक्त विचारधारा				
	ईकाई-३	– जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एव कृतित्व	– 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का कथानक				
		– 'ध्रुवस्वामिनी' का चरित्र-चित्रण	– चंद्रगुप्त का चरित्र चित्रण				
		– नाटक के तत्वो के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' का मूल्याकन	– 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक मे नारी-विमर्श				
	ईकाई-४	– कनैयालाल मा. मुनशी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'ध्रुवस्वामिनी देवी' का कथानक				
		– 'ध्रुवस्वामिनी देवी' का चरित्र-च्रित्रण	– 'ध्रुवस्वामिनी देवी' के आधार पर चंद्रगुप्त का चरित्र-च्रित्रांकन				
		– 'ध्रुवस्वामिनी देवी' में व्यक्त विचारधारा	– तत्वों के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी देवी' का मूल्यांकन				
		कुल अंक एव क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं	१०	
		कुल अंक एव क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. सक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'महाप्रस्थान' शीर्षक सार्थकता – 'महाप्रस्थान' की रस-योजना – 'महाप्रस्थान' के प्रमुख चरित्र – 'महाप्रस्थान' की संवाद-योजना – 'महाप्रस्थान' मे प्रयुक्त मिथक – 'महाप्रस्थान' की अभिनेयता एव रंगमंचीयता – 'महाप्रस्थान' की प्रासंगिकता – 'ध्रुवस्वामिनी' की अभिनेयता एव रंगमंचीयता – रामगुप्त का चरित्र-चित्रण – 'ध्रुवस्वामिनी' के शीर्षक की सार्थकता – 'ध्रुवस्वामिनी' में प्रयुक्त गीत – 'ध्रुवस्वामिनी देवी' के शीर्षक की सार्थकता – 'ध्रुवस्वामिनी देवी' की अभिनेयता एवं रंगमंचीयता – 'ध्रुवस्वामिनी देवी' की रस-योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा । ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा । ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।	पाठ्य पुस्तक : महाप्रस्थान संपादक : उमाशंकर जोशी प्राप्ति स्थान : गुर्जर ग्रंथ कार्यालय	पाठ्य पुस्तक : महाप्रस्थान संपादक : नरेश मेहता प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	पाठ्य पुस्तक : ध्रुवस्वामिनी संपादक : जयशंकर प्रसाद प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन	पाठ्य पुस्तक : ध्रुवस्वामिनी देवी संपादक : कनैयालाल मा. मुनशी प्राप्ति स्थान : रानकमल प्रकाशन, नई धिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) तुलनात्मक साहित्याभ्यास(गुजराती अनुवाद)बापट, वसंत, अनुवादक–दवे जशवंती, मेहता जया, प्र.एस.एन.डी.टी.महिला विद्यापीठ, मुंबई

(२) तुलनात्मक साहित्य : भारतीय संदर्भ, देसाई (डॉ.),चैतन्य (सं.अनुवादक)

(३) तुलनात्मक साहित्यनी दिशामां, देसाई(डॉ) अश्विन, प्र.दिव्यानंद प्रकाशन

(४) तुलनात्मक साहित्य–सिद्धांत और समीक्षा, सं.महावीर चौहाण, प्र.पार्श्व प्रकाशन

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	राजभाषा प्रशिक्षण – १								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	३	१५	१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०		१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण राजभाषा किसे कहते है, उसकी जाानकारी प्राप्त करें
- छात्रगण व्यावहारिक हिन्दी की जानकारी प्राप्त करे ।
- छत्रगण राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधानों से परिचित होंगे ।
- छात्रगण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी का महत्त्व क्या है, उससे परिचित होंगे ।
- छात्रगण हिन्दी भाषा का आज के संदर्भ मे महत्ता स्थापित करे

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक – नियमित परीक्षार्थी	अंक – बाह्य परीक्षार्थी	क्रेडिट – नियमित परीक्षार्थी	क्रेडिट – बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	राजभाषा हिन्दी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमे से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमे से सात प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		प्रशासन व्यवस्था और भाषा				
		भारत की बहुभाषिकता और सम्पर्क भाषा की आवश्यकता				
		राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रवृत्ति				
		राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा का अन्तर एवं महत्व				
	ईकाई–२	प्रशासनिक व्यवस्था में राजभाषा की भूमिका				
		राजभाषा हिन्दी : परम्परा एवं विकास				
		राजभाषा हिन्दी : आधुनिकीकरण				
		राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक)				
		राष्ट्रपति के आदेश (१९५२, १९५५, १९६०)				
	ईकाई–३	राजभाषा अधिनियम – १९८३ (यथा संशोधित १९६७)				
		राजभाषा संकल्प (१९६८) यथानुमोदित (१९९१)				
		राजभाषा नियम १९७६				
		द्विभाषा नीति और त्रिभाषी सूत्र				
		हिन्दीत्तर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों मे हिन्दी की स्थिति				
	ईकाई–४	अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी				
		हिन्दी के प्रचार–प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थानों की भूमिका				
		राजभाषा हिन्दी की वर्तमान स्थिति				
		राजभाषा हिन्दी का भविष्य				
		हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय मे से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित है	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – बाजारीकरण और हिन्दी – वैज्ञानिक लिपि के गुण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) प्रशासन में राजभाषा हिन्दी, डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया, प्र.तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली–२
(२) व्यवहारिक राजभाषा, डॉ.नारायणदत्त पालीवाल, प्र.तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली–२
(३) प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पणी–प्रारूपण और पत्र लेखन, डॉ.हरिमोहन, प्र.तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली–२
(४) हिन्दी :राष्ट्रभाषा से राजभाषा तक, विमलेश कांति शर्मा, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
(५) मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना, डॉ.राम प्रसाद, प्र.रामकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
(६) राजभाषा के नये आयाम – सं. डॉ. एन. टी. गामीत – प्र. क्रिएटीव प्रकाशन, राजकोट
(७) भारत के हिन्दीत्तर क्षेत्रों हिन्दी सं. रमेशचंद्र शर्मा – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर–१२
(८) वैश्विकता के संदर्भ में हिन्दी – डॉ. शैलजा पाटील – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर–१२
(९) प्रशासनिक कामकाजी शब्दावली – डॉ. हरिमोहन – प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली – २
(१०) सरकारी कार्यालयों मे हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव – प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद–१
(११) प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद – डॉ. रामगोपाल सिंह – प्र. पार्श्व पब्लिकेशन, रिलीफ रोड, अहमदाबाद–१
(१२) राजभाषा हिन्दी के बहुमुखी आयाम – डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमार – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर
(१३) प्रशासनिक एवं कर्मचारी हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश, डॉ. रामगुप्त – प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., जी–१७ जगतपुरी, दिल्ली – ५१
(१४) वैश्वीकरण और हिन्दी मानकीकरण – डॉ. हणमतराव पाटील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) मानक व्यवहारिक हिन्दी व्याकरण तथा भाषा बोध – डॉ. संतशरण शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) मानक हिंदी संरचना स्वरूप एवं विश्लेषण – डॉ. सुवर्णलता एम.सी.– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) वैश्विकता के संदर्भ में हिंदी – डॉ. शैलजा पाटील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) मानक हिन्दी भाषा व्याकरण दर्शिका – डॉ. गणेश पवार, डॉ. राजु बागलकोट – अमन प्रकाशन, कानपुर

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	लघुशोध प्रबंध (सैद्धांतिक)							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	३	१५	२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	शोध का स्वरूप , शोध के प्रकार, शोध की प्रक्रिया-सोपान	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
	ईकाई-२	शोध कर्ता एवं शोध-निर्देशक की योग्यता				
	ईकाई-३	विषय-चयन, शोध-प्रबंध की रूप रेखा, सामग्री-संकलन, भूमिका लेखनन				
	ईकाई-४	पाद-टिप्पणी, संदर्भ निर्देश, अनुक्रमणिकाल, ग्रंथानुक्रमणिका, परिशिष्ट				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – –		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथा सरिता
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन डी – १९/२२० नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाड़ज अहमदाबाद (गुजरात) ।

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य – २							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	४	१६	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आतरिक अक	बाह्य अक	प्रायोगिक / मौखिकी अक	कुल अक
अनुस्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०		१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ➢ छात्रगण हिन्दी खण्डकाव्य की परम्परा को विस्तार से जाने
- ➢ छात्रगण कृष्ण काव्य परम्परा को विस्तृत रूप से समझे।
- ➢ प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्येता प्रबंध काव्यों की परम्परा को जानें।
- ➢ छात्रगण भारतीय पौराणिक कथाओं को विस्तार से जानें।
- ➢ छात्रगण प्रयोगवाद के बारे मे जाने ।
- ➢ छात्रगण अज्ञेय की काव्यगत वैचारिकता को जानें ।
- ➢ छात्रगण नागार्जुन की काव्य-चेतना को जानें
- ➢ छात्रगण नागार्जुन के काव्यों को पढ़कर ग्रामजीवन के बारे मे जानें

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	– हरिऔध : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'प्रिय प्रवास' की कथावस्तु	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें प्रश्न × अक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्न × अक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		– प्रबध-काव्य के लक्षणो के आधार पर 'प्रिय प्रवास' का मूल्यांकन	– 'प्रिय प्रवास' महाकाव्य के प्रेरणास्रोत				
		– 'प्रिय प्रवास' महाकाव्य मे व्यक्त आधुनिकता	– 'प्रिय प्रवास' का काव्यरूप				
		– भावपक्ष एव कलापक्ष की दृष्टि से 'प्रिय प्रवास' का मूल्याकन	– 'प्रिय प्रवास' महाकाव्य मे व्यक्त प्रकृति चित्रण				
		– कृष्ण काव्य परंपरा और 'प्रिय प्रवास'	– 'प्रिय प्रवास' महाकाव्य मे व्यक्त भारतीय संस्कृति				
	ईकाई-२	– रामधारिसिह 'दिनकर' : व्यक्तित्व एव कृतित्व	– 'उर्वशी' का महाकाव्य की कथावस्तु				
		– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'उर्वशी' का मूल्यांकन	– 'उर्वशी' का महाकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		– 'उर्वशी' का महाकाव्य के प्रेरणा-स्रोत	– 'उर्वशी' प्रेम और सौंदर्य का महाकाव्य				
		– 'उर्वशी' का महाकाव्य मे व्यक्त दिनकर की नारी-भावना	– 'उर्वशी' का महाकाव्य के पात्रो का चरित्राकन				
		– 'उर्वशी' का महाकाव्य मे व्यक्त युगबोध	– 'उर्वशी' का महाकाव्य में कामाध्यात्मकता				
	ईकाई-३	– अज्ञेय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से अज्ञेय की कविताओं का मूल्याकन				
		– अज्ञेय की कविताओं में व्यक्त राष्ट्रप्रेम	– अज्ञेय की कविताओं में निरूपित यथार्थ				
		– नयी कविताओं के लक्षणों के आधार पर अज्ञेय की कविताओ का मूल्यांकन	– अज्ञेय की कविताओं की प्रमुख विशेषताएँ				
		– अज्ञेय का काव्य सौष्ठव	– अज्ञेय की कविताओं का काव्य-कला की दृष्टि से मूल्यांकन				
		– 'हिरोशीमा' काव्य का भावार्थ	– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'असाध्य वीणा' का मूल्यांकन				
	ईकाई-४	– नागार्जुन : व्यक्तित्व एव कृतित्व	– नागार्जुन की काव्यो की काव्यगत विशेषताएँ				
		– नागार्जुन की कविताओं मे व्यक्त समस्याएँ	– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से नागार्जुन की कविताओं का मूल्याकन				
		– नागार्जुन की कविताओं मे व्यक्त सामाजिक चेतना	– नागार्जुन की कविताओ मे व्यक्त प्रगतिवादी विचारधारा				
		– नागार्जुन की काव्य मे वर्ग-सघर्ष	– नागार्जुन के काव्य मे व्यक्त ग्राम-चेतना				
		– नागार्जुन के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ	– नागार्जुन के काव्य में व्यक्त यथार्थता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित है	१०	
		कल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'प्रिय प्रवास' की अलंकार योजना – 'प्रिय प्रवास' की छन्द योजना – 'प्रिय प्रवास' की भाषा शैली – 'प्रिय प्रवास' के शीर्षक की सार्थकता – 'उर्वशी' का महाकाव्य की छन्द योजना – 'उर्वशी' का महाकाव्य की अलंकार योजना – 'उर्वशी' का महाकाव्य का उद्देश्य – 'उर्वशी' का महाकाव्य का परिवेश – अज्ञेय की कविताओं की भाषा शैली – अज्ञेय की कविताओं में व्यक्त अलंकार – अज्ञेय की कविताओं में छन्द योजना – अज्ञेय की कविताओं में बिम्ब योजना – नागार्जुन के काव्य की भाषा शैली – नागार्जुन के काव्य की अलंकार योजना – नागार्जुन के काव्य की छन्द योजना – नागार्जुन के कविताओं में मानवतावाद		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा । ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा । ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : प्रिय प्रवास संपादक : अयोध्यासिंह 'हरिऔध' प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**	**पाठ्य पुस्तक : उर्वशी संपादक : रामधारिसिंह 'दिनकर' प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**	**पाठ्य पुस्तक : आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय संपादक : अज्ञेय प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**	**पाठ्य पुस्तक : आज के लोकप्रिय कवि नागार्जुन संपादक : प्रभाकर माचवे प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ :

(१) उर्वशी : विचार और विश्लेषण, डॉ.वचनदेव कुमार, प्र.हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

(२) उर्वशी : समग्र अध्ययन, डॉ.दयाकृष्ण जोशी, प्र.पंचशील प्रकाशन, जयपुर

(३) महाकवि दिनकर : उर्वशी और अन्य कृतियाँ, डॉ.विमलकुमार जैन, प्र.हिन्दी प्रचारक सस्थान, वाराणसी

(४) अज्ञेय : कवि और काव्य, राजेन्द्रप्रसाद, प्र.तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली–२

(५) अज्ञेय : एक अध्ययन, डॉ.भोलोभाई पटेल, प्र.गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद

(६) 'अज्ञेय', सं.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली

(७) नागार्जुन की कविता, अजय तिवारी, प्र.वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

(८) नागार्जुन का काव्य, डॉ.चंद्रहास सिंह, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

(९) बाबा नागार्जुन, नरेन्द्र कोहली, प्र. वाणी प्रकाशन, दिल्ली

(१०) आधुनिक हिन्दी काव्य : उद्भव और विकास, स्नेहलता पाठक, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली–२

(११) आधुनिक हिन्दी काव्य, शिल्प मोहन अवस्थी, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन,द नयी दिल्ली

(१२) नरेश मेहता के खण्डकाव्य : एक अनुशीलन, प्रा.कविता शर्मा, अहमदाबाद

(१३) हरिऔध के काव्य में राष्ट्रीयता एवं सामाजिकता – डॉ. मंजू तरडेजा – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१४) अज्ञेय के काव्य में बिम्ब – डॉ. टी. शांतकुमारी – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१५) दिनकर का कुरूक्षेत्र और मानवतावाद – डॉ. मोहसिन खान – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१६) जनकवि नागार्जुन एवं प्रयोगवादी कवि अज्ञेय – डॉ. वीणा दाढ़े – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१७) नागार्जुन का काव्य और जीवन–दर्शन – डॉ. श्रीमती पूनम बोरसे – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१८) अज्ञेय : साहित्य और जीवन दर्शन – डॉ. रेनू श्रीवास्तव – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१९) नागार्जुन के काव्य में प्रगतिशील चिन्तन – डॉ. गोविन्द के. बुरसे – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(२०) नागार्जुन की कविता में जनवादी चेतना – डॉ. रमाकान्त आपरे – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(२१) नागार्जुन के काव्य में जेतना – डॉ. बापुराव देसाई – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(२२) नागार्जुन के काव्य में व्यंग्य – डॉ. सुनील जाधव – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(२३) नागर्जुन के काव्य में प्रगतिशीलता और शिल्पगत प्रयोग– डॉ. संगीता एकनायराणआहेर– विद्या प्रकाशन, कानपुर

(२४) प्रगतिशील चेतना और नागार्जुन का काव्य – डॉ. अनिल कुमार – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(२५) नागार्जुन का कथा साहित्य – डॉ. मीरां चन्द्रा – अमन प्रकाशन, कानपुर

(२६) जनकवि नागार्जुन एवं प्रयोगवादी कवि अज्ञेय – डॉ. वीणा दाढ़े – अमन प्रकाशन, कानपुर

(२७) कवियों के कवि अज्ञेय – डॉ. शंकर वसंत मुद्‌गल – अमन प्रकाशन, कानपुर

(२८) रामधारी सिंह 'दिनकर' के साहित्य में जीवन मूल्य – डॉ. सूर्यवंशी – अमन प्रकाशन, कानपुर

(२९) जनसंचार एवं पत्रकारिता – कुमारी शिप्रा – अमन प्रकाशन, कानपुर

(३०) हरिऔध के महाकाव्यों की नारी पात्र – रेणु श्री वास्तव – अमन प्रकाशन, कानपुर

(३१) नागार्जुन के काव्य में प्रगतिशील चिंतन – डॉ. गोविन्द के. बुरसे – अमन प्रकाशन, कानपुर

(३२) नागार्जुन के काव्य में जीवन दर्शन – डॉ. श्रीमती पूनम बोरसे – अमन प्रकाशन, कानपुर (३३) अज्ञेय : साहित्य और जीवन दर्शन – डॉ. रेनू श्रीवास्तव – अमन प्रकाशन, कानपुर

(३४) हरिऔध के काव्य मे राष्ट्रीयता एवं सामाजिकता – डॉ. मंजू तरडेजा – अमन प्रकाशन, कानपुर

(३५) नागार्जुन के काव्य में प्रगतिशीलता और शिल्पगत प्रयोग – डॉ. संगीता एकनाथराव आहेर (ढास) – अमन प्रकाशन, कानपुर

(३६) डॉ. हरिवंशराय बच्चन का आत्मकथात्मक साहित्य – प्रा. श्रीनिवास – अमन प्रकाशन, कानपुर

(३७) नागार्जुन के काव्य में व्यंग्य – डॉ. सुनील जाधव – अमन प्रकाशन, कानपुर

(३८) मुक्तिबोध एवं नागार्जुन का काव्य–दर्शन – डॉ. प्रभा दीक्षित – अमन प्रकाशन, कानपुर

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी गद्य – २							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	४	१७	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण हिन्दी नाटक का स्वरूप एवं विकास जानें ।
- पाठ्यक्रम संबंधी छात्रगण संस्कृत प्रकांड पंडित कालिदास के जीवन चरित्र से परिचित होंगे ।
- छात्रगण आत्मकथा के स्वरूप के बारे में विस्तार से जानें ।
- छात्रगण नये आलोचकों का परिचय प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	– जगदीशचन्द्र माथुर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'कोणार्क' नाटक का कथानक	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		– नाट्यकला के आधार पर 'कोणार्क' का मूल्यांकन	– 'कोणार्क' नाटक के चरित्रों का चरित्रांकन				
		– रंगमंच की दृष्टि से 'कोणार्क' नाटक का मूल्यांकन	– 'कोणार्क' नाटक की ऐतिहासिकता				
		– 'कोणार्क' नाटक का उद्देश्य					
	ईकाई-२	– मोहन राकेश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का कथानक				
		– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के चरित्रों का चरित्रांकन	– नाट्यकला के आधार पर 'आषाढ़ का एक दिन' का मूल्यांकन				
		– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में इतिहास और कल्पना का समन्वय	– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में व्यक्त समस्याएँ				
		– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की अभिनेयता	– 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की रस-योजना				
	ईकाई-३	– हरिवंशराय बच्चन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– आत्मकथा के लक्षणों के आधार पर 'नीड़ का निर्माण फिर' का मूल्यांकन				
		– 'नीड़ का निर्माण फिर' में बच्चन की विचारधारा	– 'नीड़ का निर्माण फिर' आत्मकथा की कथावस्तु				
		– 'नीड़ का निर्माण फिर' आत्मकथा की शिल्प-विधा	– 'नीड़ का निर्माण फिर' से व्यक्त संदेश				
	ईकाई-४	– नामवरसिंह का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'कविता के नये प्रतिमान' का काव्य विषयक विचार				
		– आलोचना की दृष्टि से 'कविता के नये प्रतिमान' का मूल्यांकन	– 'कविता के नये प्रतिमान' में नाववरसिंह की साहित्यिक दृष्टि				
		– 'कविता के नये प्रतिमान' की साहित्यिक विशेषताएँ					
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन(केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'कोणार्क' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'नीड़ का निर्माण फिर' का शीर्षक – 'कविता के नये प्रतिमान' की उपयोगिता – 'कोणार्क' नाटक में व्यक्त संकलन–त्रय – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की अभिनेयता – 'नीड़ का निर्माण फिर' का उद्देश्य – 'कविता के नये प्रतिमान' में व्यक्त भाषा शैली – 'कोणार्क' नाटक का अन्त – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का उद्देश्य – 'नीड़ का निर्माण फिर' की शैली – 'कोणार्क' नाटक की संवाद योजना – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का संकलन–त्रय		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।** **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।** **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।** **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**	**पाठ्य पुस्तक : कोणार्क** **संपादक : जगदीशचन्द्र माथुर** **प्राप्ति स्थान : भारती भंडार प्रेस, इलाहाबाद**	**पाठ्य पुस्तक : आषाढ़ का एक दिन** **संपादक : मोहन राकेश** **प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली**	**पाठ्य पुस्तक : नीड़ का निर्माण फिर** **संपादक : हरिवंशराय बच्चन** **प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली**	**पाठ्य पुस्तक : कविता के नये प्रतिमान** **संपादक : नामवरसिंह** **प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई घ्दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ :

(१) नाट्यकार जयशंकर प्रसाद, सं.डॉ.सत्येन्द्र तनेजा

(२) प्रसाद के नाटक, डॉ.सिद्धनाथकुमार, प्र.मैकमिलन कंपनी दिल्ली,

(३) प्रसाद का नाट्यशिल्प, बनवारी लाल हांडा, प्र.हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली

(४) मोहन राकेश : व्यक्तित्व और कृतित्व, सुष्मा अग्रवाल, प्र.पंचशील प्रकाशन, जयपुर

(५) मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरिश रस्तोगी, ,प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, इलाहाबाद

(६) हिन्दी नाटक, डॉ.बच्चन सिंह, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली

(७) बच्चन पत्र, यादें मुलाकातें, सं.डॉ.श्याम सुंदर घोष, उमेश प्रकाशन, इलाहाबाद

(८) आलोचना के नए मान, कर्ण सिंह, मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि.दिल्ली

(९) नाटककार जगदीशचन्द्र माथुर, गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

(१०) 'दशद्वार' से 'सोपान' तक, डॉ.हरिवंशराय बच्चन, राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली

(११) हरिवंशराय बच्चन की साहित्य साधना, पुष्पा भारती, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

(१२) हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा एवं पुनर्मूल्यांकन – डॉ. राव साहेब जाधव – विद्या प्रकाशन, कानपुर

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाश्चात्य काव्यशास्त्र							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	४	१८	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से पाश्चात्य समीक्षा के विकास-क्रम को जानें ।
- छात्रगण पश्चिम की काव्य-सृजन तथा काव्य-विश्लेषण की सशक्त परम्परा को जानें ।
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अध्ययन से अध्येता पाश्चात्य सभ्यता, संस्कृति, कला और साहित्य को जानें ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र पाश्चात्य काव्यशास्त्रीयों की काव्य-विषयक धारणाओं को समझे ।
- पाठ्यक्रम अध्ययनरत छात्र काव्य सम्बन्धी पाश्चात्य विचारकों के मत जानें ।
- छात्रगण भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की तुलना करें ।
- छात्रगण पाश्चात्य काव्यशास्त्र की नवीन प्रवृतियों को जानें ।
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का अध्ययन करने से अध्येता में रागात्मक चेतना का विकास होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का उद्‌भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		प्लेटो : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, प्लेटो के काव्य संबंधी विचार : १. काव्य का सत्य, २. काव्य सृजन का दैवी प्रेरणा सिद्धांत, ३. अनुकरण सिद्धांत				
		अरस्तु : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, अरस्तु के काव्य संबंधी विचार : १. अनुकरण सिद्धांत, २. विरेचन सिद्धांत, ३. त्रासदी सिद्धांत,				
		प्लेटो और अरस्तु की काव्य संबंधी मान्यताओं की तुलना				
	ईकाई-२	लौंजाइनस (लोंगीनुस) : व्यक्तित्व एवं कृतित्व लौंजाइनस के काव्य संबंधी विचार : उदात्त सिद्धांत				
		जॉन ड्राइडन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व जॉन ड्राइडन के काव्य संबंधी विचार : १. काव्य सिद्धांत, २. कल्पना सिद्धांत				
		विलियम वड्स्वर्थ : व्यक्तित्व एवं कृतित्व विलियम वड्स्वर्थ के काव्य संबंधी विचार : काव्य भाषा सिद्धांत				
	ईकाई-३	सैम्युअल टेल कॉलरिज : व्यक्तित्व एवं कृतित्व सैम्युअल टेल कॉलरिज के काव्य संबंधी विचार : कल्पना सिद्धांत				
		मैथ्यू आर्नल्ड : व्यक्तित्व एवं कृतित्व मैथ्यू आर्नल्ड के काव्य संबंधी विचार : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य				
		टी. एस. इलियट : व्यक्तित्व एवं कृतित्व टी. एस. इलियट के काव्य संबंधी विचार : १. कल्पना सिद्धांत, २. निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, ३. वस्तुनिष्ठ समीकरण ४. संवेदनशीलता का असाहचर्य				
	ईकाई-४	आई. ए. रिचर्ड्स : व्यक्तित्व एवं कृतित्व आई. ए. रिचर्ड्स के काव्य संबंधी विचार : १. मूल्य सिद्धांत, २. सम्प्रेषण सिद्धांत, ३. व्यावहारिक आलोचना				
		होरेस औचित्य सिद्धांत, क्रोचे का अभिव्यंजना सिद्धांत, इलियट का इतिहास बोध का सिद्धांत, फ्रिस्टोकर काडवेल का श्रम-सिद्धांत				
		विविधवाद : स्वच्छन्दतावाद, आभिजात्यवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, कलावाद, उत्तर आधुनिकतावाद, आदर्शवाद ओर यथार्थवाद , संरचनावाद, विखण्डनवाद, अतियथार्थवाद, उत्तर संरचनावाद, नव्यशास्त्रवाद				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – प्राकृतवाद – बिम्बवाद –फैन्टसी – सुकरात – प्रतीकवाद – रूपवाद – मिथक – कार्ल मार्क्स		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, डॉ.तारकनाथ बाली, प्र.मैकमिलन प्रकाशन, मुबंई
(२) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा, डॉ.नगेन्द्र, प्र.नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नयी दिल्ली
(३) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, डॉ.कृष्णदेव शर्मा
(४) पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, कुसुमा बांठिया, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(५) समीक्षा के नये प्रतिमान, दिवाकर, प्र.भारतीय निकेतन, नयी दिल्ली–२
(६) उत्तर आधुनिकता साहित्यिक विमर्श, सुधीश चौधरी,प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
(७) उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद, सुधीश चौधरी, प्र.हिमाचल पुस्तक भंडार, सरस्वती भंडार, गांधीनगर, दिल्ली–३१
(८) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ.बच्चनसिंह, प्र.हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
(९) कॉलरिज और उनका साहित्य – डॉ. उदयशंकर श्रीवास्तव – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. ज्ञानराज गायकवाड – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) शैली विज्ञान संकल्पना एवं स्वरूप – डॉ. पाडुरंग चिल्ला – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) सुलभ काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य – डॉ. सुरेश लाथडे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) काव्यशास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य – डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – अमन प्रकाशनल कानपुर
(१५) काव्यशास्त्र : विविध आयाम – सं. डॉ. मधु खराटे – अमन प्रकाशनल कानपुर
(१६) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. यतीन्द्र तिवारी – अमन प्रकाशनल कानपुर
(१७) पाशचात्य काव्यशास्त्र – डॉ. विजयपाल सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१८) भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१९) व्यावहारिक हिन्दी – माधव सोनटक्के – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्रयोजनमूलक हिन्दी – २							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	४	१९	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण विभिन्न जन-संचार माध्यमों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण रेडियो नाटक की भाषा एवं अन्य भाषा के अन्तर को जानें ।
- प्रयोजनमूलक भाषा के अध्येता विज्ञापन की भाषा को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण प्रयोजनमूलक हिन्दी का अध्ययन करके उपभोक्ता को वस्तु की ओर आकर्षित करके रोजगार प्राप्त करें ।
- छात्रगण अनुवाद के माध्यम से भाषागत दूरियों को मिटाकर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से सुदृढ़ करें ।
- छात्रगण वर्तमान अर्थव्यवस्था के विकास में प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्थान विस्तार से समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक: नियमित परीक्षार्थी	अंक: बाह्य परीक्षार्थी	क्रेडिट: नियमित परीक्षार्थी	क्रेडिट: बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	– जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ	– विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		– श्रव्य माध्यम (रेडियो)	– मौखिक भाषा की प्रकृति				
		– समाचार लेखन एवं वाचन	– रेडियो नाटक उद्घोषणा लेखन				
		– विज्ञापन लेखन	– फीचर तथा रीपोतार्ज				
	ईकाई-२	– दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविज़न एवं वीडियो)	– दृश्य माध्यमों की भाषा प्रकृति				
		– दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य	– पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर) पट कथा लेखन				
		– टेली-ड्रामा संवाद लेखन	– साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण				
		– विज्ञापन की भाषा	– इंटरनेट सामग्री : सृजन (कन्टेन्ट क्रिएशन)				
	ईकाई-३	– अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि	– हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका				
		– कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद	– जनसंचार माध्यमों का अनुवाद				
		– वैचारिक साहित्य का अनुवाद	– वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद				
		– विधि-साहित्य की हिन्दी और अनुवाद	– व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास				
	ईकाई-४	– कार्यालयी अनुवाद कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि	– पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद				
		– बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास	– विधि-साहित्य के अनुवाद का अभ्यास				
		– साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक	– दुभाषिया प्रविधि				
		– अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन					
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – इंटरनेट – वाणिज्यिक अनुवाद – सारानुवाद – विज्ञापन की भाषा का अनुवाद – विज्ञापन में अनुवाद – पत्रों के अनुवाद – बैंकिंग हिन्दी का अनुवाद – वैज्ञानिक शब्दावली का अनुवाद		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) जनसंचार : विविध आयाम, व्रज मोहन गुप्त, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(२) टेलीविजन लेखन, असगर वजाहत, प्रभात रंजन, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(३) रेडियो नाटक की कला, डॉ.सिद्धनाथ कुमार, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(४) रेडियो वार्ता शिल्प, डॉ.सिद्धनाथ कुमार, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(५) जनसंचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व, सं.त्रिभुवन राय, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
(६) पटकथा लेखन : एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, प्र. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
(७) हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग, वासुदेव नंदन प्रसाद, प्र.भारतीय भवन प्रकाशन, पटना
(८) अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार, डॉ.जयंतीप्रसाद नोटीयाल, प्र.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(९) अनुवाद विज्ञान, डॉ.भोलानाथ तिवारी, प्र.शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
(१०) व्यवसायिक सम्प्रेषण, डॉ.अनूपचंद यु.भायाणी, प्र.राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
(११) मीडिया और हिन्दी – डॉ. खराटे, डॉ. पाटील प्रा. सोनवणे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) संचार, सूचना, कम्प्यूटर और प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. सु. नागलक्ष्मी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) कार्यालयी हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक – डॉ. सुरेश माहेश्वरी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. सुकुमार भंडारे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. सानप शाम– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) प्रयोजनमूलक हिन्दी : व्याकरण एवं रचना – प्रा. उमा जाधव – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध परिदृश्य – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) प्रयोजनमूलन हिन्दी – डॉ. मधुकर राठौर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) पत्रकारिता एवं विकास संचार – डॉ. अनिल उपाध्याय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२१) संचार माध्यमो के लिए विज्ञान कथा – डॉ. राजीव रंजन उपाध्याय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२२) अनुवाद संवेदना और सरोकार – डॉ. सुरेश सिंहल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२३) लोकसंचार माध्यम प्रस्तुति के रचनात्मक आयाम – डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) जनपत्रकारिता, जनसंचार एवं जनसम्पर्क – सूर्यप्रसाद दीक्षित – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) जनसचार एव पत्रकारिता – रेशमा नहाफ – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२५) जनसंचार माध्यम में हिन्दी की स्थिति और दिशा – डॉ. कीर्तिकुमार – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) जनसंचार एवं पत्रकारिता – कुमारी शिप्रा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) समाचार और जनसंचार – गोविन्द प्रसाद – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) कार्यालय हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीकी – डॉ. सुरेश महेश्वरी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. सुकुमार भंडारे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) कार्यालयी हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक – सं. सुरेश महेश्वरी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. दक्षा निमावत – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) प्रयोजनमूलक हिन्दी : व्याकरण एवं रचना – प्रा. उमा जाधव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३३) प्रयोजनमूलक हिन्दी का वर्तमान – डॉ. सिद्धेश्वर कश्यप – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३४) प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम – डॉ. माया सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३५) प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम (वि.सं.) – डॉ. सिद्धेश्वर कश्यप – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३६) प्रयोजनमूल्क हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली टिप्पण प्रारूपण – डॉ. मधु वन – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३७) प्रयोजनमूलक हिन्दी का अध्ययन – डॉ. सुशीला गुप्ता – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३८) व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. माधवराव सोनटक्के – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२९) कामकाजी हिन्दी शब्द संरचना – गणपति मोटल, रामनारायण – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का आदिवासी साहित्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	४	१९	२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- पाठ्यक्रम संबंधी छात्रगण भारतीय आदिवासी अस्मिता का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण आदिवासी साहित्य से भारतीय आदिवासी समाज–व्यवस्था को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण आदिवासी साहित्य एवं आँचलिक साहित्य का परिचय प्राप्त करें ।
- पाठ्यक्रम संबंधी छात्र भारतीय जन–जातीय संस्कृति का आदिवासी साहित्य से परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण आदिवासी देवी–देवताओं का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण अन्य समाजों की तुलना आदिवासी समाज से करके राष्ट्रीय उत्थान में आदिवासियों के योगदान को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	आदिवासी साहित्य : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		आदिवासी साहित्य की साहित्यिक विशेषताएँ				
		आदिवासी साहित्य : उद्भव एवं विकास				
		मंगलसिंह उण्डा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'छैला सनु' उपन्यास का कथानक				
	ईकाई–२	उपन्यास कला के आधार पर 'छैला सनु' का मूल्यांकन				
		'छैला सनु' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन				
		'छैला सनु' उपन्यास में व्यक्त आतंकवादी जन चेतना				
		'छैला सनु'उपन्यास की मिथकीयता				
		'छैला सनु' उपन्यास का परिवेश				
	ईकाई–३	हरिराम मीणा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'धुणी धषेल' उपन्यास का कथानक				
		'धुणी धषेल' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन				
		'धुणी धषेल' उपन्यास में व्यक्त गोविन्दगु= की सामाजिक चेतना				
	ईकाई–४	'धुणी धषेल' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक चेतना				
		'धुणी धषेल' उपन्यास में व्यक्त आदिवासियों पर अत्याचार				
		'धुणी धषेल' उपन्यास की समसामायिकता				
		उपन्यास कला के आधार पर 'धुणी ध षेल' का मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'छैला सनु' उपन्यास का शीर्षक – 'छैला सनु' उपन्यास की संवाद योजना – 'धुणी धषेल' उपन्यास का शीर्षक – 'धुणी धषेल' उपन्यास की संवाद योजना – 'छैला सनु' उपन्यास का उद्देश्य – 'छैला सनु' उपन्यास की भाषा शैल – 'धुणी धषेल' उपन्यास का उद्देश्य – 'धुणी धषेल' उपन्यास की भाषा शैली		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : छैला सनु
संपादक : मंगलसिंह उण्डा
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : धुणी धषेल
संपादक : मंगलसिंह उण्डा
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) आदिवासी एवं उपेक्षित जन, डॉ.भीमराव पिंगले, विकास प्रकाशन, कानपुर, १९९६
(२) आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी, सं.रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,२००२
(३) आदिवासी समाज और शिक्षा, रामशरण जोशी,ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली, १९९६
(४) उपन्यास का आँचलिकता वातायन, डॉ.रामपत यादव, चिंता प्रकाशन, पिलानी, राजस्थान,१९८०
(५) उपन्यास : स्वरूप संरचना तथा शिल्प, शान्ति स्वरूप गुप्त, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली
(६) उत्तरशती का हिन्दी उपन्यास, सं.एन.मोहन, जवाहर पुस्तककलाय, मथुरा, २००४
(७) कथाकार शानी, डॉ. हनिल सिंह, सरस्वती प्रकाशन, उल्हास नगर, २००२
(८) देवेन्द्र सत्यार्थी : एक भव्य लोकयात्री, प्रकाश मनु, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली, २००४
(९) मध्यप्रदेश की जन–जातीय संस्कृति, डॉ.शिवकुमार तिवारी, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, १९९९
(१०) मीणा जन–जाति : एक परिचय, लक्ष्मी नारायण मीणा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, १९९१
(११) मुण्डा आदिवासियों की भाषाएँ और संस्कृति, डॉ. रूपांशु माला, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, २००२
(१२) राजेन्द्र अवस्थी का कथा–साहित्य, डॉ.भाऊसाहेब परदेशी, साहित्य निलय प्रा.लि. कानपुर,२०००
(१३) वीरेन्द्र जैन का कथा–साहित्य, सं.मनोहर लाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, १९९७
(१४) हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में मूल्य संक्रमण, वेदप्रकाश अमिताभ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, १९९७
(१५) हिन्दी उपन्यास समकालीन विमर्श, डॉ.सत्यदेव त्रिपाठी, अमन प्रकाशन, कानपुर, २०००
(१६) हिन्दी उपन्यासों में जनवादी परंपरा, सं.कुँवरपाल सिंह, प्रमुख वितरक दिल्ली प्रकाशन, २००४
(१७) हिन्दी के आँचलिक उपन्यास, डॉ.रामदरश मिश्र, नयम प्रकाशन, नई दिल्ली, १९९९
(१८) हिन्दी उपन्यास : एक अंत:यात्रा, डॉ.रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, १९६८
(१९) हिन्दी के आँचलिक उपन्यास, मृत्युंजय उपाध्याय, चित्रलेखा प्रकाशन, इलाहाबाद, १९९४
(२०) हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, १९७०
(२२) हिन्दी उपन्यास साहित्य का उद्‌भव और विकास, डॉ.लक्ष्मीकांत सिंह, ग्रंथ भारती, कानपुर, १९९६

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य (व्यावहारिक-२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	४	१९	२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप विस्तार से जानें ।
- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके भारतीय संस्कृति का परिचय प्राप्त करें ।
- तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से नारी-विमर्श की अवधारणा को समझें
- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का इतिहास जानें ।
- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन करके राष्ट्रीय चेतना को विस्तार से जानें ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों में तुलनात्मक दृष्टि का विकास होगा ।
- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से विभिन्नता में एकता की भावना को ओर भी सुदृढ़ करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	– मैक्सिम गोर्की : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'माँ' उपन्यास का कथानक	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		– तत्वों के आधार पर 'माँ' उपन्यास का मूल्यांकन	– 'माँ' उपन्यास में निरूपित विचारधारा				
		– 'माँ' उपन्यास के प्रमुख चरित्रों का चित्रांकन					
	ईकाई-२	– रवीन्द्रनाथ ठाकुर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'गोरा' उपन्यास का कथानक				
		– 'गोरा' उपन्यास तत्त्वों के आधार पर	– गोरा का चरित्र चरित्रांकन				
		– सुचरिता का चरित्र चरित्रांकन	– 'गोरा' उपन्यास में व्यक्त विचारधारा				
	ईकाई-३	– चुनीलाल मडिया: व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'लिलुडी धरती' उपन्यास का कथानक				
		– 'लिलुडी धरती' में व्यक्त विचारधारा	– तत्वों के आधार पर 'लिलुडी धरती' उपन्यास का मूल्यांकन				
		– 'लिलुडी धरती' उपन्यास के प्रमुख चरित्र	– 'लिलुडी धरती' उपन्यास में चित्रित परिवेश				
		– 'लिलुडी धरती' में आँचलिकता					
	ईकाई-४	– फणीश्वर नाथ 'रेणु' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'मैला आँचल' का कथानक				
		– तत्त्वों के आधार पर 'मैला आँचल' का मूल्यांकन	– 'मैला आँचल' में व्यक्त आँचलिकता				
		– 'मैला आँचल' में व्यक्त विचारधारा	– 'मैला आँचल' के प्रमुख चरित्रों का चरित्रांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'माँ' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'गोरा' शीर्षक की सार्थकता – 'लिलुडी धरती' के शीर्षक की सार्थकता – 'मैला आँचल' शीर्षक की सार्थकता – 'माँ' उपन्यास का उद्देश्य – विनय का चरित्र चित्रांकन – 'लिलुडी धरती' उपन्यास में चित्रित आँचलिकता – 'मैला आँचल' में चित्रित परिवेश – 'माँ' उपन्यास की भाषा–शैली – आनंद मयी का चरित्र चित्रांकन – 'लिलुडी धरती' उपन्यास का उद्देश्य – 'मैला आँचल' भाषा की दृष्टि से – 'माँ' उपन्यास की संवाद–योजना – 'गोरा' उपन्यास में व्यक्त भारतीयता एवं विश्वबंधुत्व की भावना – 'लिलुडी धरती' उपन्यास में संवाद–योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा । ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा । ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : माँ संपादक : मैक्सिम गोर्की प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्यिल्ली**	**पाठ्य पुस्तक : यौरा संपादक : रवीन्द्रनाथ ठाकुर प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्यिल्ली**	**पाठ्य पुस्तक : लीलुडी धरती संपादक : चुनीलाल मडिया प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्यिल्ली**	**पाठ्य पुस्तक : मैला आँचल संपादक : फणीश्वरनाथ 'रेणु' प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई द्यिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ :

(१) भारतीय नवलकथा – जोषी रमणलाल, प्र. युनि. ग्रंथ निर्माण बोर्ड, अहमदाबाद

(२) भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रघुवीर का सृजन : सं. आलोक गुप्ता, प्र. रंगद्वार प्रकाशन, माणसा (उ.गु.)

(३) तुलनात्मक साहित्य : सिद्धांत और समीक्षा, सं. महावीरसिंह चौहाण, प्र. पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

भकतकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	राजभाषा प्रशिक्षण – २							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	४	२०	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०		१००

पाठ्यक्रम उद्देश :

- छात्रगण हिन्दी भाषा के विभिन्न स्वरूपों को जाने
- छात्रगण राजभाषा हिन्दी के रूपों को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण राजभाषा हिन्दी के प्रकार्यो को विस्तार से जाने
- छात्रगण कार्यालयीन हिन्दी को जाने
- छात्रगण सरकारी कर्मचारीयों के प्रयुक्त हिन्दी के रूप को जानें
- छात्रगण हिन्दी का वर्तमान रूप जानें

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमे से सात प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
		हिन्दी आलेखन : अर्थ, स्वरूप, प्रकार एव विशेषताएँ				
		टिप्पण : अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार				
		संक्षेपण : अर्थ, स्वरूप, भेद एवं महत्व				
		पत्राचार : स्वरूप, भेद एवं महत्व				
	ईकाई-२	कार्यालय ज्ञापन				
		कार्यालय आदेश				
		कार्यालयी अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या				
		हिन्दी कम्प्यूटरीकरण				
		हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण				
	ईकाई-३	हिन्दी में वैज्ञानिक और तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली				
		केन्द्र एवं राज्य शासन के विभिन्न क्षेत्रों मे हिन्दी प्रयोग की स्थिति				
		बैकिंग मे हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति				
		बीमा और अन्य क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति				
		जनसचार माध्यमों मे हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति				
	ईकाई-४	विधिक क्षेत्रों में हिन्दी				
		वैज्ञानिक क्षेत्रों मे हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति				
		विज्ञापन एवं जनसंपर्क क्षेत्रों की हिन्दी				
		बाजार एव खेलकूद के क्षेत्रों मे हिन्दी की स्थिति				
		भूमण्डलीकरण के परिपेंक्ष्य में हिन्दी का भविष्य				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित है	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – –		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) व्यावहारिक राजभाषा – डॉ. नारायणदत्त पालीवाल, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली–२
(२) प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पण, प्रारूपण और पत्र लेखन – डॉ. हरिमोहन, प्र. तक्षशीला प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(३) बैंकों में व्यावहारिक हिन्दी का प्रगामी प्रयोग – कान्ता जोशी, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
(४) हिन्दी में उन्नत टिप्पणी और सारलेखन – रामविनायक सिंह – प्र. लोकभारती प्रकाशन, अहमदाबाद
(५) सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव – प्र. लोकभारती प्रकाशन, अहमदाबाद
(६) प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे – प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(७) जीवन बीमा व्यवसाय में हिन्दी प्रयोग – सुधीर निगम – प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(८) हिन्दी भाषा : संदर्भ और संरचना – सूरजभान सिंह – प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २
(९) राजभाषा के नये आयाम – सं. डॉ. एन. टी. गामीत – प्र. क्रिएटीव प्रकाशन, राजकोट
(१०) राजभाषा हिन्दी के बहुमुखी आयाम – डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमार – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहरनगर, कानपुर
(११) कम्प्यूटर और हिन्दी – डॉ. हरिमोहन – प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली – २
(१२) कम्प्यूटर शिक्षा – डॉ. प्रज्ञा श्रीवास्तव – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर
(१३) कार्यालयी हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक – डॉ. सुरेश महेश्वरी – प्र. विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर
(१४) हिन्दी : विविध व्यवहारों की भाषा – सुवास कुमार – प्र. वाणी प्रकाशन, २१–ए दरियागंज, नई दिल्ली – २
(१५) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन – डॉ. शिवाकांत गोस्वामी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों में हिंदी – सं. डॉ. रमेशचंद्र शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) राजभाषा हिंदी के बहुमुखी आयाम – डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमारी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम – डॉ. शंकर बुन्देले – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) राष्ट्रीयकृत बैंकों में हिन्दी – डॉ. शंकर बुन्देले – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२०) बैंकों में अनुवाद की भाषा वैज्ञानिक समस्या में – डॉ. रमीष एन. – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२१) अभिनव कार्यालय आलेखन और टिप्पण – डॉ. विद्याश्री – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२२) राष्ट्रीयकृत बैंको में हिन्दी – डॉ. शंकर बुंदेले– अमन प्रकाशन, कानपुर
(२३) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रालेखन – डॉ. शिवाकांत गोस्वामी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) राजभाषा हिन्दी समस्याएँ समाधान – शंकर बुन्देले – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२५) रूप विज्ञान – लक्ष्मणप्रसाद सिन्हा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२६) मानक हिन्दी व्याकरण – पृथ्वीनाथ पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२७) राजभाषा हिन्दी राजकीय पत्र व्यवहार – डॉ. घनश्याम अग्रवाल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२८) अनुवाद अनुभव अवदान – आरसु – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२९) हिन्दी का सरल शब्दानुशासन – देवेन्द्रप्रसाद सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३०) हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि – देवेन्द्रप्रसाद सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३६) वस्तुनिष्ठ हिन्दी – संजय एल. – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३१) भाषिक औदित्य – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३२) भाषा चिन्तन की भारतीय परम्परा – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३३) हिन्दी भाषा का रूपमिय विश्लेषण – डॉ. लक्ष्मणप्रसाद सिन्हा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३४) रोजगारपरक हिन्दी – डॉ. ईश्वर पवार – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३५) गागर में सागर (प्रतियोगात्मक) – आरसु – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय, जुनागढ

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	लघुशोध प्रबंध (व्यावहारिक)							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३		०२	४	२०	२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – प्रथम बैठक	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०३	०४
	ईकाई-२	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – द्वितीय बैठक				
	ईकाई-३	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – तृतीय बैठक				
	ईकाई-४	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – चतुर्थ बैठक				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – –		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक :
संपादक :
प्राप्ति स्थान :

==================================